http://krishipravahika.vitalbiotech.org/

कृषि प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका

e-ISSN: 2583 – 0430

कृषि-प्रवाहिका: ई-समाचार पत्रिका, (2025) वर्ष 5, अंक 11, 45-46

Article ID:564

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि एवं किसान क्रेडिट कार्ड – नई अपडेट्स और किसानों के लिए लाभकारी जानकारी

डॉ प्रफुल्ल कश्यप,
डॉ निधि रावत,
डॉ नितिन गड़े,
डॉ जसमीत सिंह एवं
डॉ लिक्षवी कुर्रे

दाऊ श्री वासुदेव चंद्राकर कामधेनु विश्वविद्यालय, दुर्ग, छत्तीसगढ़

*अनुरूपी लेखक
डॉ प्रफुल्ल कश्यप*

भारत में कृषि क्षेत्र देश की अर्थव्यवस्था और आजीविका का प्रमुख आधार है। किसानों की आय बढ़ाने और उनकी आर्थिक स्थिति को सशक्त बनाने के लिए सरकार समय-समय पर कई योजनाएँ लागू करती है। इन में प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि **(PM-Kisan)** और किसान क्रेडिटकार्ड **(KCC)** दो ऐसी प्रमुख योजनाएँ हैं जो किसानों को सीधी आर्थिक सहायता और सस्ती दर पर ऋण उपलब्ध कराती हैं।

2. प्रधानमंत्री किसान सम्माननिधि (PM-Kisan) – एक परिचय

2.1 योजना की शुरुआत

PM-Kisan योजना :- **1** दिसंबर **2018** से लागू हुई। इसका उद्देश्य छोटे और सीमांत किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता प्रदान करना है।

2.2 योजना का लाभ

- सभी योग्य किसानों को ₹**6,000** प्रतिवर्ष की आर्थिक सहायता।
- राशि तीन किस्तों में (₹2,000 हर 4 माह में) सीधे **DBT (Direct Benefit Transfer)** के माध्यम से किसानों के बैंक खाते में जमा होती है।

2.3 पात्रता मानदंड

- किसान के पास भूमि का स्वामित्व होना आवश्यक।
- योजना सभी भूमि धारक किसान परिवारों के लिए उपलब्ध है।
- निम्न श्रेणी अपात्र हैं:
  - संवैधानिक पदाधिकारी, आय करदाता, सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारी (कुछ श्रेणियों को छोड़ कर)।

2.4 पंजीकरण प्रक्रिया (2025 की अपडेट)

- किसान **PM-Kisan** पोर्टल या नजदीकी **CSC (Common Service Centre)** पर आवेदन कर सकते हैं।
- आधार कार्ड, भूमि रिकॉर्ड, और बैंक खाता विवरण जरूरी।
- **E-KYC** अनिवार्य है– OTP आधारित आधार सत्यापन या बायोमेट्रिक के माध्यम से।
- नई सुविधा: किसान अब **PM-Kisan** मोबाइल ऐप के माध्यम से भी पंजीकरण और किस्त की स्थिति देख सकते हैं।

2.5 हाल की प्रमुख अपडेट्स (2025)

- **E-KYC** की अंतिम तिथि का विस्तार– निर्धारित समय सीमा के भीतर KYC पूरी करने पर ही अगली किस्त मिलेगी।
- डिजिटल भूमि रिकॉर्ड सत्यापन – अब भूमि विवरण राज्य के राजस्व रिकॉर्ड से स्वतः मिलान किया जाएगा।
- भुगतान स्थिति ट्रैकिंग – किसान ऐप और पोर्टल पर भुगतान की रियल – टाइम स्थिति देख सकते हैं।

3. किसान क्रेडिटकार्ड (KCC) – एक परिचय

3.1 योजना की शुरुआत

KCC योजना **1998** में शुरू हुई थी, लेकिन 2020 से इसे **PM - Kisan** योजना से जोड़कर तेजी से लागू किया जा रहा है ताकि अधिक किसानों को लाभ मिले।

3.2 योजना का उद्देश्य

किसानों को कम ब्याज दर पर अल्पकालिक ऋण उपलब्ध कराना ताकि वे बीज, उर्वरक, कीट नाशक, चारा, पशु चिकित्सा खर्च आदि आसानी से पूरा कर सकें।

3.3 योजना का लाभ

- अधिकतम ऋण सीमा : ₹3 लाख तक (बैंक की शर्तों के अनुसार)।
- ब्याजदर: 9 % प्रतिवर्ष, लेकिन समय पर भुगतान पर **3%** ब्याज सब्सिडी और PM - Kisan लाभार्थियों को अतिरिक्त छूट।
- बीमा कवर : KCC धारकों को फसल बीमा योजना का लाभ स्वतः मिलता है।

3.4 पात्रता

- किसान, बटाई दार किसान, स्वयं सहायता समूह (SHG), संयुक्त किसान समूह।
- पशुपालन, डेयरी और मछली पालन करने वाले किसान भी पात्र हैं।

3.5 आवेदन प्रक्रिया (2025 की अपडेट)

- **PM-Kisan** लाभार्थियों के लिए KCC आवेदन सरल– केवल एक पेज का फॉर्म बैंक में जमा करना।
- आधारकार्ड, PM-Kisan आईडी, भूमि रिकॉर्ड और बैंक पासबुक की जरूरत।
- ऑनलाइन आवेदन अब बैंकों की वेबसाइट और जनसुविधा केंद्र के माध्यम से संभव।
- नई सुविधा: डिजिटल ऋण स्वीकृति– कुछ बैंकों में 15 दिन में KCC जारी।

3.6 हाल की प्रमुख अपडेट्स (2025)

- **PM-Kisan** और **KCC** का एकीकरण – PM-Kisan लाभार्थियों को प्राथमिकता से KCC जारी।
- पशुपालन और मत्स्य पालन ऋण सीमा में वृद्धि – अब अधिकतम ₹5 लाख तक (विशेष श्रेणी के लिए)।
- डिजिटल **KCC** कार्ड – अब मोबाइल ऐप के माध्यम से KCC विवरण और ऋण सीमा देख सकते हैं।

4. किसानों के लिए संयुक्त लाभ

यदि किसान **PM-Kisan** और **KCC** दोनों योजनाओं का लाभ लेते हैं, तो:

- PM-Kisan से मिलने वाली ₹**6,000** वार्षिक सहायता बीज और खाद की खरीद में उपयोग की जा सकती है।
- KCC से मिलने वाला सस्ता ऋण समय पर खेती के लिए पूंजी उपलब्ध कराता है।
- समय पर ऋण चुकाने पर ब्याज सब्सिडी से लागत घटती है।
- दोनों योजनाओं के संयुक्त उपयोग से उत्पादन क्षमता और लाभ में वृद्धि होती है।

5. सावधानियां और सुझाव

- E-KYC और भूमि रिकॉर्ड अपडेट समय पर करवाएं।
- KCC ऋण केवल खेती और पशुपालन संबंधित कार्यों में ही उपयोग करें।
- समय पर ऋण चुकाएं ताकि ब्याज सब्सिडी और क्रेडिट स्कोर सुरक्षित रहे।
- योजनाओं की अपडेट जानकारी के लिए **PM-Kisan** पोर्टल, कृषि विभाग और बैंक शाखा से संपर्क करें।

6. निष्कर्ष

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और किसान क्रेडिटकार्ड भारत के किसानों के लिए दो अत्यंत महत्वपूर्ण योजनाएँ हैं जो उनकी आर्थिक मजबूती और खेती की निरंतरता को सुनिश्चित करती हैं। तकनीकी अपडेट और डिजिटल सुविधाओं के साथ, इन योजनाओं का लाभ लेना अब पहले से आसान हो गया है। जो किसान दोनों योजनाओं का सही तरीके से उपयोग करेंगे, वे न केवल अपनी खेती की लागत कम कर पाएंगे, बल्कि उत्पादन और आय में भी उल्लेखनीय वृद्धि कर सकेंगे।